आई॰ क्यू॰ ए॰ सी॰ द्वारा राजभाषा कार्यक्रम क्रियान्वयन के लिए हिंदी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ़ कॉमर्स के अंतरिक गुणवत्ता प्रमाणन प्रकोष्ठ (आई॰ क्यू॰ ए॰ सी॰) के तत्वाधान में 'महाविद्यालयों में राजभाषा कार्यक्रम क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 14 जुलाई 2023 शुक्रवार को अपराहन 2:30 बजे से अपराहन 3:30 बजे तक ऑनलाइन आयोजित किया गया। जिसमें कॉलेज के टीचिंग, नॉन टीचिंग स्टाफ के साथ बच्चे भी शामिल हुए। कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य प्रो॰ जतिंदर बीर सिंह उपस्थित रहे, जिन्होंने हिंदी भाषा की उपयोगिता को बताते हुए महाविद्यालय में हिंदी के प्रयोग के लिए सभी को जागरूक किया। कार्यक्रम के आयोजन में आई॰ क्यू॰ ए॰ सी॰ की समन्वयक प्रो॰ संगीता दोदराजका की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम की संयोजक डॉ॰ ज्योति कौर ने कार्यक्रम का आरंभ किया और हिंदी की गुणवत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में वक्ता के रूप में डॉ॰ मीनाक्षी रानी ने हिंदी भाषा में पत्र लेखन पर विस्तार से चर्चा की। औपचारिक पत्र के प्रारूप, उसकी भाषा, टिप्पणी के स्वरूप, सूचना के अधिकार (आर॰ टी॰ आई॰) के लिए लेखन, कार्य सूची, कार्यवृत्त और हिंदी टंकण के सरल तरीकों से अवगत कराया गया।

इस कार्यक्रम का महत्वपूर्ण उद्देश्य महाविद्यालय में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना और कार्यालयों में पत्र लेखन के विभिन्न स्वरूपों पर विचार करना था । हिंदी भाषा देश की राजभाषा है और इसमें समस्त प्रशासनिक कार्य होने चाहिए। प्रशासन की भाषा अर्थात सरकारी कामकाज की भाषा का स्वरूप बोलचाल की भाषा से अलग होता है यह साहित्यिक भाषा की तरह न तो कठिन होती है न ही बोलचाल

की भाषा की तरह सरल। उसका स्वरूप इन दोनों से भिन्न होता है इसीलिए प्रशासनिक भाषा के शब्दों के चयन में बड़ी सतर्कता की आवश्यकता होती है। कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक भाषा के विभिन्न पक्षों को ध्यान में रखते हुए उनकी उपयोगिता को उद्घाटित किया गया। कार्यक्रम द्वारा समस्त महाविद्यालय परिवार ने हिंदी के प्रयोग और महत्व जानकर गौरव का अनुभव किया और हिंदी में कार्य करने के लिए स्वयं को प्रेरित किया।

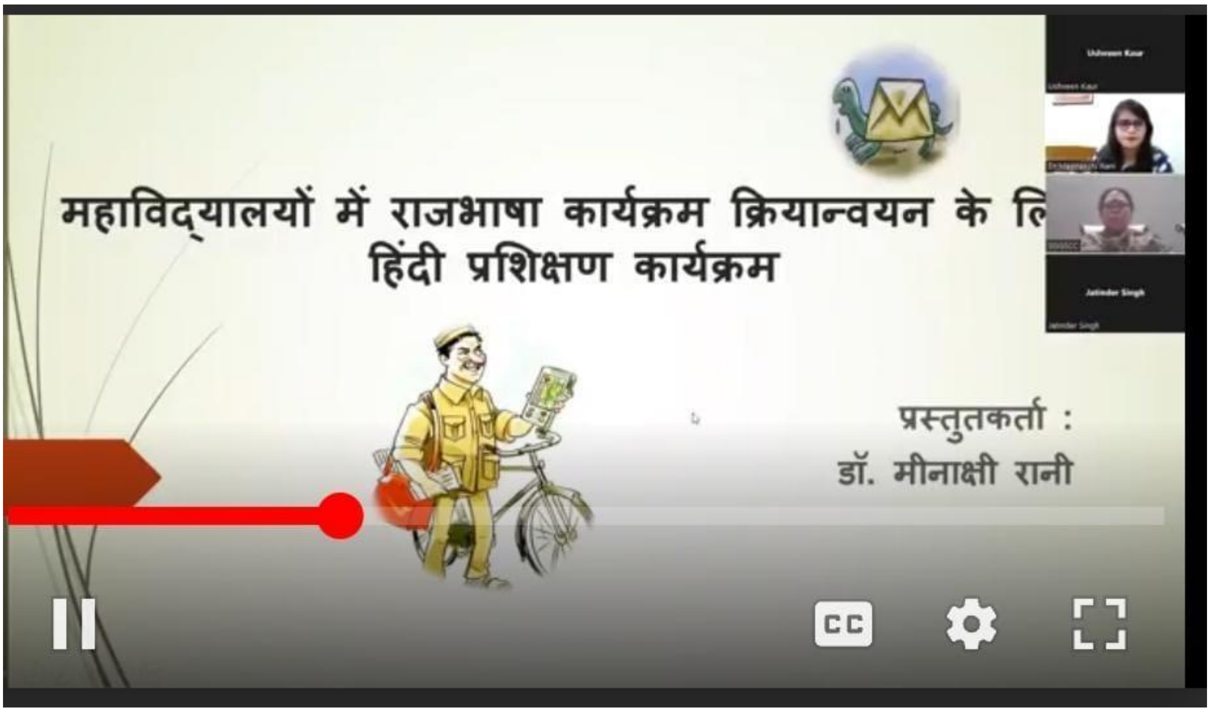
महाविद्यालयों में राजभाषा कार्यक्रम क्रियान्वयन के लि
हिंदी प्रशिक्षण कार्यक्रम
प्रस्तुतकर्ता :
डॉ. मीनाक्षी रानी
Jatinder Singh

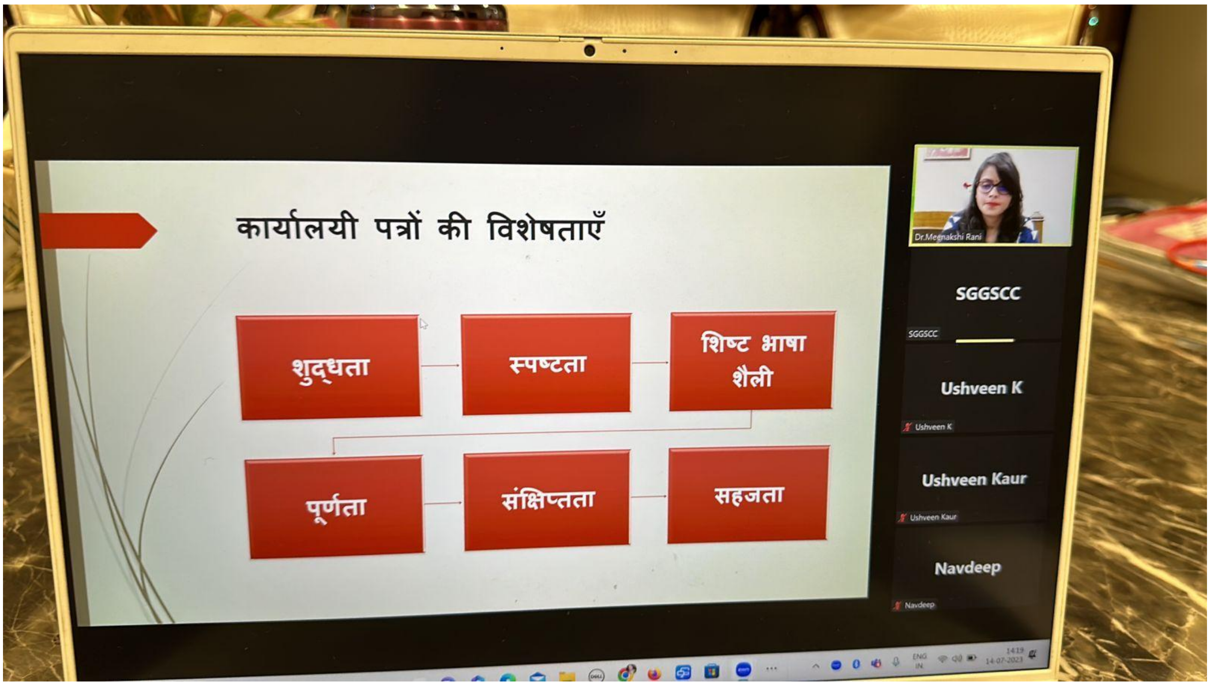
कार्यालयी पत्रों की विशेषताएँ
शुद्धता
स्पष्टता
शिष्ट भाषा शैली
पूर्णता
संक्षिप्तता
सहजता
SGGSCC
Ushveen K
Ushveen Kaur
Navdeep